गुरूवचनों को जीवन मे

(चाल : जिसके दर्शन से तपते.....)

गुरूवचनों को जीवन में, अपनाकर गुरू रिझायें ।
गुरूपुजा दिवस मनायें, गुरूपूजा दिवस मनायें ॥
श्रद्धा और भक्ति से, तन- मन- धन अर्पण कर पायें ॥
गुरूपूजा दिवस मनायें, गुरूपूजा दिवस मनायें ॥

नर पूजा - नारायण पूजा, गुरू ने हमें ये सिखलाया- 2
धर्म जोडता, नहीं तोडता, मर्म हमें ये बतलाया
एक को जानें, एक को मानें, एक सभी हो जायें ॥
गुरूपूजा दिवस मनायें, गुरूपूजा दिवस मनायें ॥

युग सुंदर, सदियाँ सुंदर, गर मानव मन होवे सुंदर - 2
अपनेपन को खुशबू से, महके हर आँगन, हर इक घर
सदगुरू के संदेशों को, हर घर-घर तक पहुँचायें ॥
गुरूपूजा दिवस मनायें, गुरूपूजा दिवस मनायें ॥

दीवार रहित संसार बने, मानव को मानव हो प्यारा - 2
मन मंदिर के दीप जलायें, हो जाये जग उजियारा
दिव्य गुणों को अपनाकर, जीवन बगिया महकायें ॥
गुरूपूजा दिवस मनायें, गुरूपूजा दिवस मनायें ॥

छोड के मन के ताने - बाने, केवल गुरमत अपनायें हम - 2
नफरत - वैर की तोड दीवारें, प्याके पुल बनायें हम
"श्याम कपिल" गुरू सिखलाई से, जीवन चलो सजायें ॥
गुरूपूजा दिवस मानयें, गुरूपूजा दिवस मनायें ॥